भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2620 का उत्तर

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के मूल डिजाइन में संशोधन

2620. श्री सुदामा प्रसाद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या दिनांक 22/11/2024 को 'द हिन्दू' में प्रकाशित समाचार के अनुसार, भारत-रूस संयुक्त उद्यम के भाग के रूप में 200 वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियों की आपूर्ति में विलंब होने की संभावना है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ख) उक्त रेलगाड़ियों के मूल डिजाइन में संशोधन किए जाने के क्या कारण हैं;
- (ग) स्लीपर कोचों के डिजाइन में संशोधन के कारण संयुक्त उद्यम की लागत में वृद्धि पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
- (घ) इसी ट्रेन के रेल कोचों के विकास के लिए उक्त संयुक्त उद्यम के तहत प्रोटोटाइप ट्रेनों की वर्तमान स्थिति क्या है और स्लीपर कोचों के प्रोटोटाइप के लिए निर्दिष्ट लक्ष्य-तिथि सहित इसकी स्थिति-रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या सरकार ने गैर-वातानुकूलित शयनयान और सामान्य कोचों के विकास के लिए कोई संयुक्त उद्यम बनाया है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं वाली पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित की गई सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत गाड़ियां आरंभ की हैं।

02 दिसंबर, 2024 तक की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं चल रही हैं।

लंबी और मध्यम दूरी वाली यात्रा के लिए वंदे भारत शयनयान गाड़ियों की भी योजना बनाई गई है। भारतीय रेल द्वारा विनिर्मित की जाने वाली गाड़ियों के डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस समय, 10 वंदे भारत शयनयान गाड़ियों का उत्पादन किया जा रहा है। पहले प्रोटोटाइप को विनिर्मित किया गया है और इसके फील्ड परीक्षण किए जाएंगे। इसके अलावा सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई द्वारा 50 वंदे भारत शयनयान रैकों का उत्पादन शुरू किया गया है।

इसके अतिरिक्त, 200 वंदे भारत शयनयान रैकों के विनिर्माण की संविदा भी प्रौद्योगिकी भागीदारों को आबंटित कर दी गई है। इन वंदे भारत शयनयान रैकों का डिजाइन तैयार कर लिया गया है।

भारतीय रेल पर गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों और सामान्य सवारी डिब्बों का डिजाइन, विकास और विनिर्माण एक सतत प्रक्रिया है और इसे परिचालनिक और यातायात की आवश्यकता के आधार पर अपनी उत्पादन इकाइयों में किया जाता है।

भारतीय रेल ने हाल ही में अमृत भारत गाड़ियों की शुरुआत की है, जो पूर्णतः गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं, जिनमें वर्तमान में 12 शयनयान सवारी डिब्बे और 08 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं और ये झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, पूरी तरह से सीलबंद गैंगवे, प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम के साथ मॉड्यूलर शौचालय, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट आदि जैसी आधुनिक संरक्षा और यात्री सुविधाओं से लैस हैं।